



Literacy for a Billion

Movie: Hum Sath Sath Hai

Year: 1999

सुनो जी दुल्हन एक बात सुनो जी
अपने नए परिवार से मिलो जी
तुम्हें मिलाए सबसे आज
सुनो सुनाए सबके राज़
हाए तुम्हें मिलाए सबसे आज
सुनो सुनाए सबके राज़

पहले दुल्हन तुम इनसे मिलो जी
घर के मुखिया तुम्हारे ससुर जी
जिनके सर पे सुखों का ताज़
देखो जरा इनका अंदाज़
हाँ जिनके सर पे सुखों का ताज़
देखो जरा इनका अंदाज़

रामपुर का बासी हूँ मैं
रामकिशन है नाम
सिधी साधी बोली मेरी
सिधा सादा काम
हो जो भी चाहा मैने
हो रब से वो पाया मैने
हो... रामपुर का बासी हूँ मैं
रामकिशन है नाम
देस विदेस घुमकर आया मैं भाई
हो महक गाँव की मिट्टी की ना बिसराई
वही गुठ चना दूध नाश्ते में भाए
हो छुरी और काटे से खाना ना आए
इतने पर भी... हो...
इतने पर भी है नई टेकनिकों को
प्यार से सिखा मैने

Song: Suno Ji Dulhan Ek Baat

Lyricist: Ravinder Rawal

रामपुर का बासी हूँ मैं
रामकिशन है नाम
सिधी साधी बोली मेरी
सिधा सादा काम

आओ दुल्हन अब इनसे मिलो जी
ये है तुम्हारी सासू माँ जी
घर में लता इनका राज
इनका खास है एक अंदाज़
है घर में लता इनका राज
इनका खास है एक अंदाज़

मेरा नाम मू मू मू
मू मू मू आहा मू मू मू
तीन तितलीयाँ मेरी यार
मुझे पार्टियों से है प्यार
वाह वा वाह वा वाह वा वाह वा
शॉपिंग हो या सब्जी मंडी
मोल भाव की पक्की हूँ
एक रूपय्या कीमत हो तो
एक रूपय्या ही मैं दूँ
लंबा मेरा फसाना है
पर ब्यूटी पार्लर जाना है
लंबा मेरा फसाना है
पर ब्यूटी पार्लर जाना है
मेरा नाम मू मू मू
मू मू मू आहा मू मू मू
प्यारा मुझे साज शृंगार
उम्र को गोली मारो यार



Literacy for a Billion

वाह वा वाह वा वाह वा वाह वा
चलो दुल्हन अब आगे बढ़ो जी
अपने ननंद ननंदोई से मिलो जी
बिबी को ये ना करे नाराज
आशिकाना है अंदाज़
हाँ बिबी को ये ना करे नाराज
आशिकाना है अंदाज़
राधिका के डैडी जरा आना
डार्लिंग हुकूम फरमाना
कैसी है ये साडी बताना
डार्लिंग फ़िदा है ये दीवाना
मेरा सर है दुखता
चलो मैं दबा दूँ
है खाना पकाना
कहो मैं पका दूँ
कहीं घुम आए
जहाँ भी कहो तुम
डिनर लेंगे बाहर
फिकर ना करो तुम
बाद में आईस क्रिम भी खिलाना
डार्लिंग जो चाहो सो मँगाना
मीठा पान कलकत्ता खिलाना
डार्लिंग जरासा मुस्कुराना
जरा मेरा पर्स तो उठाना
डार्लिंग तुम्हारा है ज़माना
डार्लिंग तुम्हारा है ज़माना

सुनो जी दुल्हन अब सँभल जाओ जी
छोटे नटखट देवर से मिलो जी
बड़ा रंगीला इनका मिजाज़
शैतानी इनका अंदाज़
है बड़ा रंगीला इनका मिजाज़

शैतानी इनका अंदाज़
पापा कहते है बड़ा नाम करेगा
बेटा हमारा ऐसा काम करेगा
सच सारे सपने पापा के अपने
करने चला मैं नौजवाँ
भोली सुरत दिल के खोटे
बातें बड़ी हैं काम हैं छोटे
काम हैं छोटे
आठ बजे तक जो सोते
बड़े कहाँ लोग ऐसे होते
जिनकी नज़र में हो कोई सपना
रहा ना उनको होश अपना होश अपना
चीत भी है इनकी पट भी है इनकी
बिन पेंदी के ये लोटे
बातें बड़ी हैं काम हैं छोटे
काम हैं छोटे
भोली सुरत दिल के खोटे
हुस्न के नखरें मोटे मोटे मोटे मोटे
सुनो जी दुल्हन अब गौर करो जी
अपने बड़े देवर से मिलो जी
माँ के दिल के ये सरताज़
शर्मिला इनका अंदाज़
माँ के दिल के ये सरताज़
शर्मिला इनका अंदाज़

अखियाँ मिलाए नहीं
हाए बतीयाए नहीं बनके रहे साधू
अखियाँ मिलाए नहीं
हाए बतीयाए नहीं बनके रहे साधू
किसी चेहरे के किताब का रोज
रिक्वीजन है चालू
प्रीती के बस में हैं प्रेम बाबू

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.



Literacy for a Billion

छूपे रूस्तम है ये प्रेम बाबू
ऐसे क्या बने पढ़ईया
पढ़ के देखो जी सैंया
प्रेम के ढाई अक्षर हो... हो
जब तक तुम रहे बिदेसी
मेरी हालत थी ऐसी
जल बिन जैसी मछरिया हो
मेरा पिया घर आया ओ रामजी
मेरा पिया घर आया ओ रामजी
पूरी हो ना हो पढ़ाई ओ पापाजी
कर दो इनकी भी सगाई ओ मम्मीजी

प्यारी दुल्हन अब दिल थामों जी
क्योंकी है बारी सैंया जी की
इतना सा है इनका राज़
सबसे अलग इनका अंदाज़
हाँ इतना सा है इनका राज़
सबसे अलग इनका अंदाज़

खुली किताब के जैसी है शक्सीयत इनकी
कौन है घर में ऐसा जिसको इनपे नाज़
नहीं
सुनो दुलहन बताएँ राज़ तुमको हम इनका
ये आईना है जिसके दिल में कोई राज़
नहीं

चंदा मामा से भी प्यारे है ये हमारे मामा
चंदा मामा से भी प्यारे है ये हमारे मामा
मामीजी के आज्ञा ने से हमको भूल ना
जाना
प्यारे प्यारे मामाजी जहाँ से न्यारे मामा जी
प्यारे प्यारे मामाजी जहाँ से न्यारे मामा जी
नि सा रे गा रे सा रे गा रे सा रे
नि सा रे गा रे सा रे गा रे सा सा
नि सा रे गा रे सा रे गा रे सा नि
नि सा रे गा रे सा रे गा रे सा सा

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.